साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना
प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**
E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**
वर्ष : 3 | अंक : 13 — गोंदिया : गुरुवार, दि. 3 से 9 नवम्बर 2022 — पृष्ठ : 4 — मूल्य : रु. 5

राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील के हस्ते संजय नगर के अतिक्रमणधारकों को स्थाई पट्टों का वितरण

पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के प्रयासों को मिली सफलता

बुलंद गोंदिया - गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत आने वाले संजय नगर क्षेत्र में बरसों से निवास करने वाले अतिक्रमण धारकों को स्थाई पट्टे राज्य के राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील के हस्ते वितरण किया गया। जिसके लिए पूर्व विधायक गोपाल दास अग्रवाल अनेक वर्षों से प्रयास कर रहे थे, जिससे उन्हें सफलता प्राप्त हुई है। कार्यक्रम राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, सांसद सुनील मेंडे, देवा रुसे, भागवत मेश्राम व अन्य अतिथियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर देवा रुसे ने उपस्थितो को संबोधित करते हुए कहा कि संजय नगर में गत 50 वर्षों में बहुत से नेता दिखे, लेकिन यहां के नागरिकों को जमीन के स्थाई पट्टे दिलाने के लिए जो प्रयास हुए केवल गोपालदास अग्रवाल द्वारा ही किए गए गत 10 से 12 वर्षों से तत्कालीन विधायक गोपालदास अग्रवाल क्षेत्र की भूमि को वन कानून व नगर विकास के आरक्षण से मुक्त कराने के लिए प्रयासरत रहे थे। जिससे अंतत क्षेत्र के अतिक्रमणधारक अब नियमानुसार भूधारक बन चुके हैं।

कार्यक्रम की प्रस्तावना मुख्य अधिकारी करण चौहान ने रखते हुए जानकारी दी कि 15 से 20 वर्षों से संजय नगर के नागरिकों को स्थाई पट्टे दिए जाने के लिए तत्कालीन विधायक गोपालदास अग्रवाल के प्रयास शुरु थे तथा भाजपा शिवसेना सरकार में राजस्व मंत्री विखे पाटील ने गोपालदास अग्रवाल के अनुरोध पर प्रमुखता से संजय नगर के नागरिकों के प्रकरण को हल करा जिससे आज क्षेत्र के 300 से अधिक नागरिकों को पट्टों का वितरण हुआ है।

पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि चुनाव में पराजित होने के पश्चात भी चुनाव में किए गए वादों को निभा सके और उससे भी बड़े हर्ष की बात है कि राज्य के राजस्व मंत्री के हस्ते भूमि के पट्टों का वितरण आज होने जा रहा है। राज्य में अब भाजपा-शिवसेना सरकार का राज है और हर स्तर पर सुधार निश्चित है। तथा इस अवसर पर बजरंग नगर, गौरी नगर, सिंधी कॉलोनी सहित संपूर्ण गोंदिया तहसील के प्रत्येक ग्राम में कई दशकों से रह रहे अतिक्रमण धारकों को स्थाई पट्टे दिए जाने की मांग राजस्व मंत्री से की। राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील ने कहा कि विगत दशकों से गोपालदास अग्रवाल विधानमंडल में उनके सहयोगी रहे हैं तथा जनता के प्रश्नों को लेकर उन्होंने अनेकों बार विधान भवन मंत्रालय में आवाज बुलंद की जिसका परिणाम यह है कि आज बरसों से प्रलंबित संजय नगर के नागरिकों को हम जमीन के स्थाई पट्टे दे रहे हैं। जब भी गोपालदास अग्रवाल किसी भी विषय को लेकर आते हैं तो हमारा प्रयत्न होता है कि सरकार उस पर सकारात्मक निर्णय व कार्रवाई करें तथा आगे उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में अब भाजपा की लोक हित में काम करने वाली सरकार है। जिसके ऊर्जावान प्रधानमंत्री ने कोरोना काल में नागरिकों को निशुल्क अनाज देकर किसी को भूखा नहीं रहने दिया

तथा 125 करोड़ की आबादी को निशुल्क कोरोना टीकाकरण कर देश में महामारी को बढ़ने से रोका और देश के करोड़ों किसानों को 6000 वार्षिक की आर्थिक सहायता देकर हर किसान को आधार दिया है। हर बेघर को 2022 तक पक्के मकान देने का वादा पूरा करके दिखाया। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में दीपावली के अवसर पर भाजपा की राज्य सरकार ने घर-घर तक विशेष सीधा किट उपलब्ध कराई, वहीं अतिवृष्टि ग्रस्त किसानों को दुगनी मदद देवेंद्र फडणवीस सरकार ने करने का क्रांतिकारी निर्णय लिया है। विखे पाटील ने मंच से ही जिलाधिकारी को गोंदिया शहर व तहसील के हर ग्राम का सर्वे कर अतिक्रमण धारकों को 3 माह में स्थाई पट्टे देने के निर्देश दिए।

आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर सांसद सुनील मेंडे, प्रफुल अग्रवाल, केशव मानकर, हेमंत पटले, रमेश कुथे, अशोक चौधरी, सभापति संजय टेंभरे, संजय कुलकर्णी, मिलिंद, धनलाल ठाकरे, सुनील केलनका, शकील मंसूरी, क्रांति जयसवाल, निर्मला मिश्रा, भागवत मेश्राम, पराग अग्रवाल, सुनील तिवारी, शीलू राकेश ठाकुर, श्वेता पुरोहित, दीपिका रुसे, मौसमी सोनछात्रा, हेमलता पतेह, भरत छत्रिय, प्रकाश रहमतकर, भावना कदम, गोल्डी गावंडे, अमित झा, जयंत शुक्ला, योगराज राहंगडाले, सचिन बंटी मिश्रा, व्यंकट पातरु, गुड्डू कारडा, नरेंद्र चंदवानी सहित बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

माँ-बाप की सेवा ही सबसे बड़ा तीर्थ
प.पू.भगवानशरण बापू

बुलंद गोंदिया - मनुष्य जीवन में माँ-बाप की सेवा ही दुनिया का सबसे बड़ा धर्म है। इसलिए अपने भगवान रुपी पालनकर्ता की सेवा ही सभी तीर्थों के बराबर है। उनका मन दुखाकर, उन्हें दु:खी करके मनुष्य अपने जीवन मे कभी सुखी नहीं रह सकता, यह संदेश प.पू.भगवानशरण बापू ने दि. 30 अक्टूबर को फुलचुर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में उपस्थित भक्तजनों को संदेश दिया।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन फुलचुर परिसर में आमगांव रोड़, अन्नपूर्णा राईस मिल के सामने प्रांगण में दि. 30 अक्टूबर से 5 नवंबर 2022 तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से संध्याकाल 5.30 बजे किया गया है। अजनीकर परिवार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक धर्म अनुयायियों को उस्थित रहकर भागवत पुराण कथा का पुण्य लाभ लेने की अपील गोपाल अजनीकर इन्होंने की है।

कथा में प.पू.भगवानशरण बापू ने श्रीमद् भागवत कथा के उद्देश्य को आत्मसात करने के लिए आधुनिक युग मे मानवी प्रवृत्ती को त्याग एवम सरलता के गुण को अपनाकर परोपकार की भावना रखने का मूल मंत्र दिया। उन्हेने कहा की धर्म के मार्ग पर चलकर मनुष्य मोक्ष की प्राप्ती कर सकता है, अन्यथा वह संसार के मोह माया रुपी इस जंजाल मे अंत तक फसकर रह जाता है।

इस कार्यक्रम मे मुख्य रुप से फुलचुर ग्रामपंचायत के सरपंच मिलन रामटेककर, ग्रा.पं.सदस्य भारती गावंडे, विजय पटले, मुकेश पाटील, कमल हटवार, प्रकाश आगाशे, गंगाराम बावनकर, प्रकाश अजनीकर विलास मारवाडे, अनिल गौतम, मोटघरे तथा अनेक धर्मप्रेमीयों ने प्रमुख रुप से उपस्थित रहकर प.पू.भगवान शरण बापू को माल्यार्पण कर आशीर्वाद ग्रहण किया।

कुमाता ने स्कूल के शौचालय में छोड़ा नवजात शिशु को

नागरिकों ने अस्पताल पहुंचाकर बचाई जान

बुलंद गोंदिया - कलयुगी कुमाता ने अपने नवजात शिशु को जन्म देने के पश्चात उसे मरने के लिए जिला परिषद स्कूल के शौचालय में छोड़ दिया। किंतु कुछ नागरिकों की मानवता व सतर्कता के चलते नवजात शिशु को बचाकर उपचार के लिए चिकित्सालय में दाखिल कराया।

उपरोक्त कलंकित घटना सड़क अर्जुनी तहसील के ग्राम राका/पलसगांव में सामने आयी है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसी कुंवारी कुमाता ने अपने नवजात बच्चे को जन्म देने के पश्चात समाज के डर से उसे मरने के लिए जिंदा ही जिला परिषद शाला के शौचालय में फेंक कर फरार हो गई। कुछ देर पश्चात बच्चे के रोने की आवाज सुनकर परिसर के नागरिकों ने शौचालय में पहुंच कर नवजात बच्चे को देखकर अवाक रह गए तथा शौचालय की सीट से बच्चे को निकालकर तत्काल सड़क अर्जुनी के चिकित्सालय में ले जाया गया जहां बच्चे को आगे के उपचार के लिए गोंदिया के शासकीय महिला चिकित्सालय में दाखिल कराया गया जहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार कर नवजात को डॉक्टरों ने स्वस्थ बताया है।

उपरोक्त मामले में अज्ञात महिला के खिलाफ फरियादी मुन्नालाल धनलाल पंचभाई की शिकायत के आधार पर भादवि की धारा 315, 317 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पुलिस निरीक्षक सचिन वागड़े के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक आकाश सरोदे द्वारा जांच की जा रही है। पुलिस सूत्रों के प्राथमिक जांच के अनुसार महिला कुंवारी है तथा प्रेम प्रसंग में वह गर्भवती हो गई तथा समाज के डर से नवजात शिशु को जन्म के पश्चात शौचालय की सीट पर छोड़ दिया इस मामले में पुलिस द्वारा आसपास के ग्रामों व परिसर तथा नर्सिंग होम से जानकारी प्राप्त कर रही है। उल्लेखनीय है कि यदि समय रहते परिसर के नागरिकों द्वारा शौचालय की टॉयलेट की ओर रुख नहीं किया होता तो इस भीषण ठंड में नवजात बच्चे का बचना नामुमकिन था।

अखबार, हमें रोजमर्रा की दिनचर्या से अवगत कराता है - राजेंद्र जैन

गोंदिया जिला मराठी पत्रकार संघ के दिपावली मिलन समारोह में सम्मानित हुए पत्रकार जावेद खान

बुलंद गोंदिया - आज हमारा युग आधुनिकता की ओर अग्रसर है। इलेक्ट्रॉनिक तकनीकी में मीडिया का स्वरुप भी बदला है। देश-दुनिया की, आसपास की खबरें पल-भर में चटपट मोबाइल में आ जाती है। ये सब पत्रकारों की लगनता, उनकी सक्रियता और कार्य के प्रति मेहनत से ही संभव है। परंतु इस चटपट की मीडिया खबरों से परे जाकर अपनी लेखनी की ताकत से अखबारों को खबरों का रंग देने वाले प्रिंट मीडिया के पत्रकारों का योगदान सरहानीय रहा है। रोजाना अखबार निकालना, फिर उसका वितरण करना एक बड़ी चुनोती भरा कार्य है। अखबार आज भी अपनी पारदर्शिता को बनाएं हुए है। अखबार हमें रोजमर्रा की खबरों से अवगत कराता है। वो हमारी दिनचर्या का हिस्सा है। उक्त आशय पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन ने व्यक्त किये।

कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष शंभूशरणसिंह ठाकुर, दैनिक कशिश समाचार पत्र के संपादक एवं मराठी पत्रकार संघ के सचिव एड. वीरेन्द्र जायसवाल, उपाध्यक्ष कांताप्रसाद मिश्रा, वरिष्ठ

पत्रकार इसुलाल भालेकर, युवा पत्रकार जावेद खान सहित आदि मंचासीन रहे। संघ के सचिव एड. वीरेन्द्र जायसवाल ने कहा, मराठी पत्रकार संघ आज पत्रकारों की आवाज है। पूरे जिले में संघ की शाखाएं है जहां पत्रकार बंधु संघ के माध्यम से निडरता, बेबाकता एवं निर्भीकता से अपनी कलम को ताकत देकर अखबारों में सच्चाई से खबरें प्रकाशित करते है। संघ आने वाले दिनों में पत्रकार भवन के निर्माण पर कार्य कर रहा है जिसका संघर्ष जारी है।

दीपावली मिलन समारोह के दौरान युवा पत्रकार जावेद खान को पत्रकारिता में उनकी कार्यकुशलता एवं सामाजिक दायित्व के रुप में अग्रसर भूमिका निभाने पर गोंदिया जिला मराठी पत्रकार संघ द्वारा मुख्य अथिति पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन के हस्ते शाल-श्रीफल, स्मृतिचिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया गया वहीं भेंट स्वरुप लैपटॉप प्रदान किया गया।

संघ के सचिव जायसवाल ने कहा, पत्रकार अब कलम के साथ कंप्यूटर युग में कार्य कर रहे है। पत्रकारों का कलम के साथ कंप्यूटर से नाता भी सबसे बड़ी जरुरत बन गई है। खबरें भेजना, उसे ईमेल करना, हर कार्य कंप्यूटर क्रांति के माध्यम से होता है। ऐसे में युवा पत्रकार जावेद खान को लैपटॉप भेंट देकर मराठी पत्रकार संघ ने नई पहल की शुरुआत की है। कार्यक्रम के शुरुवाती काल में अखबार विक्रेता संघ के विक्रेता बंधूओ के गुणवंत पाल्यो का सत्कार पुरस्कार वितरण कर किया गया। नवोदय, 10 वी व 12 वी में प्रविण्यता प्राप्त विद्यार्थीयो को अखबार विक्रेता संघ द्वारा स्कूल बेग देकर सत्कार किया गया।

इस दीपावली मिलन समारोह में मराठी पत्रकार संघ के आमगांव तहसील अध्यक्ष इसुलाल भालेकर, गोरेगाँव तहसील अध्यक्ष भरत घासले, तिरोडा तहसील अध्यक्ष दीपक जायसवाल, अर्जुनी मोरगाँव तहसील अध्यक्ष वासुदेव साधवानी, सालेकसा तहसील अध्यक्ष रमेश चुटे, संघ के जिला कोषाध्यक्ष कपिल चौहान, अखबार विक्रेता संघ के दिनेश ऊके, संजय राऊत, प्रकाश तिड़के, नवीन अग्रवाल, बावनकर, राजेन्द्रसिंह राजकुमार ठाकुर, राजेशकुमार तायवाड़े, अतुल हलमारे, मुन्ना तिवारी, दिनेश बोपचे, योगेश राऊत, गुप्ताजी, गजभियेजी, मेश्रामजी आदि सहित अनेक पत्रकार बंधुओ की उपस्थिति रही।

नप के सेवानिवृत्त शिक्षकों को नहीं मिली पेंशन मनायी काली दीपावली

बुलंद गोंदिया - गोंदिया नगर परिषद के सेवानिवृत्त शिक्षकों के साथ-साथ राज्य के सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों को राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष दीपावली पर पेंशन नहीं दी गई जिससे सेवानिवृत्त शिक्षकों पर काली दिवाली मनाने की स्थिति निर्माण हो गई।

उल्लेखनीय है कि सभी नगर परिषद के सेवानिवृत्त शिक्षकों को गत 2 महीने से निवृत्ती वेतन समय पर मिलना बंद हो चुका है। इस संदर्भ में कार्यालय में जानकारी लेने पर डीडी ऑफिस से संपर्क किए जाने की बात कही जाती है, जहां कार्यालय में संपर्क किए जाने पर शिक्षकों को जानकारी दी गई कि निवृत्तिवेतन की निधि कम रही है। ऐसा कारण बताते हुए समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है। विशेष यह है कि सरकार बिना कारण अनेक कार्यों पर निधि मंजूर कर रही है किंतु सेवानिवृत्त शिक्षकों के साथ अन्याय कर रही है। सेवा से निवृत्त होने के पश्चात अधिकांश शिक्षकों का गुजर-बसर पेंशन पर ही होता है तथा 70 वर्ष से अधिक हो जाने के चलते व अन्य कोई कार्य भी नहीं कर सकते हैं। जिससे उन्हें किसी चीज का आधार नहीं है गुजर-बसर करने के साथ ही वर्ष का सबसे बड़ा पर्व दीपावली के अवसर पर भी पैसा नहीं दिए जाने से शिक्षकों द्वारा काली दिवाली मनाई गई। सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों द्वारा निवेदन किया गया है कि जल्द से जल्द उनका सेवानिवृत्त वेतन दिया जाए नहीं तो सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों द्वारा सरकार का निषेध किया जाएगा ऐसी चेतावनी गोंदिया नगर परिषद सेवानिवृत्त समिति के अध्यक्ष उमाशंकर शर्मा, महासचिव प्रमोद देशमुख, नरेंद्र चौधरी, मधुकर लांजेवार, पराते, संजय रेवतकर द्वारा दी गई है।

होप फाउंडेशन द्वारा दीपावली के अवसर पर गरीब बस्ती के बच्चों को फटाके व मिष्ठान वितरण

बुलंद गोंदिया - दीपावली के पावन अवसर पर होप फाउंडेशन संस्था की संस्थापिका डॉ. माधुरी नासरे के नेतृत्व में गोंदिया शहर के संजय नगर की गरीब बस्ती में बच्चों को फटाके व मिष्ठान का वितरण किया गया तथा दिवाली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि जिनके जीवन में अंधकार फैला हुआ है तथा जो गरीबी में जीवन यापन कर रहे हैं, ऐसे बच्चे जो दीपावली जैसा पर्व उत्साह से नहीं मना सकते हैं तथा उनके पास आर्थिक संबल नहीं होता है। ऐसे बच्चों के जीवन में निराशा घर ना कर ले, ऐसे गरीब बच्चे भी फटाको का आनंद ले, ऐसा निश्चय कर वे बच्चे भी दीपावली पर्व का मजा ले इसके लिए होप फाउंडेशन संस्था के माध्यम से एक कदम प्रगति की ओर ऐसी संकल्पना लेकर डॉ. माधुरी नासरे द्वारा दीपावली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

उपरोक्त कार्यक्रम का उद्घाटन यूनाइटेड हॉस्पिटल गायनोकोलॉजिस्ट डॉ.जुही भालोटिया ने किया। प्रमुख अतिथि के रुप में स्वाति शर्मा, सीमा डोये, प्राची गुडधे, डॉ. सविता बेदरकर, अनिल सहारे, कुंदा दोनोडे, द्वारका सावंत, माधुरी परमार तथा डॉ. सोनल अग्रवाल, रुपाली ऊके, रजनी बरैया, दीक्षा बंसोड़, अंकुश वैद्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शालू कृपाले द्वारा किया गया तथा इस दीपावली मिलन कार्यक्रम में संजय नगर के असंख्य बच्चे शामिल होकर पटाखों का मजा व मिष्ठान का आनंद लिया।

संपादकिय

टू फिंगर टेस्ट तत्काल रुके

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बार फिर रेप सरवाइवर्स का टू फिंगर टेस्ट किए जाने पर सख्त एतराज करते हुए कहा कि ऐसा करने वालों को कदाचार का दोषी माना जाएगा। हैरत की बात है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा बार-बार रोके जाने के बावजूद देश में यह प्रचलन बना हुआ है। टू फिंगर टेस्ट में महिला के प्राइवेट पार्ट में दो उंगलियां डालकर देखा जाता है कि कहीं वह यौन संबंधों की आदी तो नहीं। लेकिन यह तरीका न केवल अवैज्ञानिक और अनावश्यक है बल्कि महिला की निजता और गरिमा का भी हनन करता है।

साल 2013 में ही सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कह दिया था कि टू फिंगर टेस्ट रेप सरवाइवर महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन है। इसके बाद 2013 में ही यौन अपराध कानूनों में संशोधन हुआ, जिसमें एक तरफ रेप का दायरा बढ़ाते हुए पुरुष जननांगों के अतिरिक्त पेनिट्रेशन के अन्य तरीकों को संज्ञान में लिया गया तो दूसरी तरफ यह भी साफ किया गया कि सहमति के सवाल पर विचार करते हुए महिला के यौन व्यवहार की पृष्ठभूमि कोई मायने नहीं रखती। 2014 में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी विस्तृत गाइडलाइन जारी करते हुए कहा था कि टू फिंगर टेस्ट नहीं होना चाहिए क्योंकि यौन हिंसा के मामलों में इसका कोई मतलब नहीं बनता। बावजूद इन सबके, देश में यह न केवल जारी है बल्कि कानूनी प्रक्रिया में भी इसका धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है।

स्वाभाविक ही सुप्रीम कोर्ट ने इस पर गहरी नाराजगी जताते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही। उम्मीद की जानी चाहिए कि इसके बाद यह टेस्ट बंद हो जाएगा। असल में इस प्रचलन के जारी रहने के पीछे कोई एक नहीं बल्कि कई तरह के कारकों की मिली-जुली भूमिका हो सकती है। एक तो भारत जैसे बड़े देश में गांवों कस्बों के स्तर तक फैले डॉक्टरों का एक वर्ग सुप्रीम कोर्ट के फैसलों से अनजान रह जाए यह असंभव नहीं। दूसरी बात मेडिकल कॉलेजों से यह तरीका सीखकर निकले डॉक्टरों के लिए यह स्वाभाविक नहीं कि वे बरसों से अपनाए जा रहे इस उपाय को फील्ड से बाहर के लोगों के कहने पर तत्काल छोड़ दें। तीसरी बात यह कि पितृसत्तात्मक सोच अपने समाज में इतनी गहराई तक जड़ जमाए हुए है कि उसका प्रभाव जाते-जाते ही जाएगा।

इनमें से कोई भी कारण ऐसा नहीं है, जिससे इस प्रचलन का बचाव होता हो। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल कॉलेजों के पाठ्यक्रम से इस टेस्ट को हटाने सहित वे तमाम उपाय अपनाने की बात कही है, जिससे टू फिंगर टेस्ट पर पूरी तरह रोक लग सके। जरूरी है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के शब्दों और भावनाओं के अनुरुप शासन और समाज के सभी संबधित अंग इस पर अमल सुनिश्चित करने के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी करें।

महिलायें अपने स्वास्थ्य का रखें ख्याल, आप परिवार के भविष्य के लिए जिम्मेदार है

माँ सुरक्षित हैं तो घर सुरक्षित हैं - अभियान में महिलाओं को स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए - जिलाधिकारी नयना गुंडे

बुलंद गोंदिया - राज्य में एक लाख गर्भवती महिलाओं में से 38 महिलाओं की गर्भावस्था या प्रसव के दौरान मौत हो जाती है। वहीं, हर साल 17 से 20 हजार बच्चों (0 से 5) की मौत हो जाती है। इस पृष्ठभूमि में, माता सुरक्षित तार घर सुरक्षित अभियान जिले में शुरु किया जा रहा है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं, विशेष रुप से गर्भवती महिलाएं और 18 वर्ष से अधिक उम्र की लड़कियां सुरक्षित और स्वस्थ रहें और उनका स्वास्थ्य स्वस्थ रहे।

अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाते हुए अपनी नौकरी का प्रबंधन करने वाली महिलाओं के स्वास्थ्य का मुद्दा एक गंभीर मुद्दा बन गया है। इसके पीछे प्रतियोगिता को मुख्य कारण माना जा रहा है। फास्ट (जंक) खाना खाने की दीवानगी, व्यायाम न करना, असमय और अधूरा भोजन, अपर्याप्त नींद, अतिरिक्त काम का तनाव के कारण महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने का भी समय नहीं मिल पाता है। वहीं दूसरी ओर अभी भी हर जगह खासकर ग्रामीण इलाकों में लड़कियां मासिक धर्म के बारे में खुलकर बात नहीं करती हैं। कई लोग समस्या को छुपाते भी हैं। हालांकि, उन्हें इस बात से अवगत कराने की जरुरत है कि ऐसा करना भविष्य के लिए खतरनाक है। गर्भाशय के विकास में विफलता के साथ-साथ गर्भवती महिला के कम वजन और ऊंचाई के कारण प्रसव के दौरान समस्या होती है। सृष्टि के रचयिता माने जाने वाले को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से इस अभियान को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा रहा है। जिलाधिकारी नयना गुंडे ने आव्हान किया कि 18 वर्ष से अधिक उम्र की लड़कियां और महिलाएं महिलाओं की सुरक्षा के लिए इस अभियान का लाभ उठाएं और यह सुनिश्चित करें कि उनका खुद का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे।

सबसे ज्यादा दर्द और तकलीफ मां ही उठाती है। परिवार और नौकरी, शिक्षा के कारण उन्हें अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने का समय नहीं मिलता है। लेकिन इस अभियान के माध्यम से उन्हें योग करने, व्यायाम करने, जंक फूड खाए बिना घर का बना पौष्टिक भोजन करने, पर्याप्त नींद लेने, आराम करने, तनाव से राहत और मन की शांति के लिए फल खाने की सलाह दी जाती है - डॉ.नितिन वानखेड़े अपर जिला स्वास्थ्य अधिकारी

डॉ. दिनेश सुतार के अनुसार माता सुरक्षित व घर सुरक्षित अभियान के तहत जिले में अब तक 1 लाख 64 हजार 604 महिलाओं व 22 हजार 949 गर्भवती माताओं की जांच की जा चुकी है। अभियान के अब तक के अवलोकन -

- एनीमिया, थायराइड (गर्भावस्था में समस्या) समस्या
- मासिक धर्म की अनियमितता, योनि स्राव के लक्षण
- बहुतों को मधुमेह, उच्च रक्तचाप की शुरुआत दिखाई देती है
- स्तन और मुंह के कैंसर के लक्षण, गर्भाशय ग्रीवा से जुड़ी कई समस्याएं
- काम की व्यस्तता में महिलाएं अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करती हैं

महात्मा जन आरोग्य से मुफ्त इलाज

राज्य सरकार की महात्मा फुले जन आरोग्य योजना के तहत गर्भवती माताओं या अन्य महिलाओं, लड़कियों को तीन लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल सकता है। इसमें लगभग तेरह सौ रोग शामिल हैं। इलाज का खर्च बढ़ने पर केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज का लाभ उठाया जा सकता है। माता सिख तार घर सिख अभियान के माध्यम से गंभीर बीमारियों से पीड़ित या पीड़ित महिलाओं की पहचान की जाएगी और उन्हें इस योजना से लाभान्वित किया जाएगा।

ऐसे रखें अपनी सेहत का ख्याल

- पौष्टिक आहार लें, खजूर, मेवा, पत्तेदार सब्जियां खाएं, स्वास्थ्य केंद्र से आयरन की गोलियां मुफ्त लें।
- रोजाना कम से कम 40 मिनट व्यायाम करें, सूर्य नमस्कार करें, योग करें, टहलें।
- मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बचें, व्यायाम करें और एनीमिया से बचाव के लिए पर्याप्त नींद लें।
- कॉलेज छात्राओं को जंक फूड, कोल्ड ड्रिंक नहीं लेनी चाहिए, साइकिल से कॉलेज जाएं।
- एक गर्भवती मां को पहले सात महीनों के लिए हर महीने, अगले दो महीनों के लिए हर पखवाड़े और अंत में सप्ताह में एक बार स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए।

दानवीर लोधी जमींदार कुंवर तिलकसिंह नागपुरे की ८२वी पुण्यतिथि

बुलंद गोंदिया - समाज रत्न महान दानवीर परोपकारी जमींदार लोधी कुंवर तिलकसिंह नागपुरे की 82वी पुण्यतिथि लोधी समाज गोंदिया, शासकीय सामान्य चिकित्सालय व जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रुप से मनाई गई। इस अवसर पर चिकित्सालय परिसर में स्थापित कुंवर तिलकसिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा उनके महान परोपकार कार्य को याद किया गया जिसमें गोंदिया जिले के स्वास्थ्य के लिए दोनों शासकीय चिकित्सालय को भूमि दान, भंडारा शहर में पुस्तकालय, पीने के पानी की टंकी, गोंदिया शहर के पिंडकेपार में गौशाला हेतु 32 एकड़ भूमि, सिख समाज के गुरुद्वारा हेतु भूमि, कामठा, अर्जुनी ग्रामों में विद्यालय हेतु आर्थिक सहायता व भूमि दान, बिरसी विमानतल निर्माण के लिए 480 एकड़ भूमि दान जैसे अनेक उनके परोपकारी कार्यों को याद किया गया तथा इस अवसर पर उनके इस परोपकारी कार्य के लिए एक म्यूजियम शुरु करने की मांग प्रशासन से लोधी समाज के इंजीनियर राजीव ठकरेले द्वारा की गई। जिसे पूर्ण करने का आश्वासन प्रशासन द्वारा दिया गया।

पुण्यतिथि कार्यक्रम के अवसर में प्रमुखता से जिला परिषद के पशुसंवर्धन व कृषि सभापति रुपेश कुथे, गोंदिया मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नरेश तिरपुड़े, डॉ. नंदकिशोर जायसवाल, डॉ. अपूर्व पावडे, डॉ. रुखमोडे, डॉ. प्रशांत तुरकर, डॉ. संजय माहुले, डॉ. राजेंद्र लिल्हारे के साथ अनेक कर्मचारी उपस्थित थे। लोधी समाज गोंदिया व जमींदार परिवार के वंशज पृथ्वीराज नागपुरे, चेताली नागपुरे, सुरेश लिल्हारे, सुनील नागपुरे, सुरेश मचाडे, अनिल नागपुरे, संतोष लिल्हारे, डॉ. पूर्णिमा नागपुरे, महेंद्र लिल्हारे, नंदकिशोर बिरनवार, अतुल सतदेवे, डॉ. दिशा गेडाम, प्रकाश नागपुरे, हंसराज गएगए व इंजीनियर राजीव ठकरेले के साथ अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गुरुनानक

नानक (कार्तिक पूर्णिमा 1469 - 22 सितंबर 1539) सिखों के प्रथम (आदि) गुरु हैं। इनके अनुयायी इन्हें नानक, नानक देव जी, बाबा नानक और नानकशाह नामों से सम्बोधित करते हैं। नानक अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्मसुधारक, समाजसुधारक, कवि, देशभक्त और विश्वबन्धु सभी के गुण समेटे हुए थे। इनका जन्म स्थान गुरुद्वारा ननकाना साहिब पाकिस्तान में और समाधि स्थल करतारपुर साहिब पाकिस्तान में स्थित है।

परिचय

इनका जन्म रावी नदी के किनारे स्थित तलवण्डी नामक गाँव में कार्तिकी पूर्णिमा को एक खत्री (क्षत्रिय) कुल में हुआ था। तलवण्डी पाकिस्तान में पंजाब प्रान्त का एक नगर है। कुछ विद्वान इनकी जन्मतिथि 15 अप्रैल, 1469 मानते हैं। किन्तु प्रचलित तिथि कार्तिक पूर्णिमा ही है, जो अक्टूबर-नवम्बर में दीवाली के 15 दिन बाद पड़ती

है। इनके पिता का नाम मेहता कालूचन्द खत्री तथा माता का नाम तृप्तादेवी था। तलवण्डी का नाम आगे चलकर नानक के नाम पर ननकाना पड़ गया। इनकी बहन का नाम नानकी था।

बचपन से इनमें प्रखर बुद्धि के लक्षण दिखाई देने लगे थे। लड़कपन से ही ये सांसारिक विषयों से उदासीन रहा करते थे। पढ़ने-लिखने में इनका मन नहीं लगा। 7-8 साल की उम्र में स्कूल छूट गया क्योंकि भगवत्प्राप्ति के सम्बन्ध में इनके प्रश्नों के आगे अध्यापक ने हार मान ली तथा वे इन्हें ससम्मान घर छोड़ने आ गए। तत्पश्चात् सारा समय वे आध्यात्मिक चिन्तन और सत्संग में व्यतीत करने लगे। बचपन के समय में कई चमत्कारिक घटनाएँ घटीं, जिन्हें देखकर गाँव के लोग इन्हें दिव्य व्यक्तित्व मानने लगे। बचपन के समय से ही इनमें श्रद्धा रखने वालों में इनकी बहन नानकी तथा गाँव के शासक राय बुलार प्रमुख थे।

इनका विवाह बालपन मे सोलह वर्ष की आयु में गुरदासपुर जिले के अन्तर्गत लाखौकी नामक स्थान के रहनेवाले मूला की कन्या सुलक्खनी से हुआ था। 32 वर्ष की अवस्था में इनके प्रथम पुत्र श्रीचन्द का जन्म हुआ। चार वर्ष पश्चात् दूसरे पुत्र लखमीदास का जन्म हुआ। दोनों लड़कों के जन्म के उपरान्त 1507 में नानक अपने परिवार का भार अपने श्वसुर पर छोड़कर मरदाना, लहना, बाला और रामदास इन चार साथियों को लेकर तीर्थयात्रा के लिये निकल पड़े। उन पुत्रों में से श्रीचन्द आगे चलकर उदासी सम्प्रदाय के प्रवर्तक हुए।

उदासियाँ

श्रीचन्द चारों ओर घूमकर उपदेश करने लगे। 1521 तक इन्होंने चार यात्रा चक्र पूरे किए, जिनमें भारत, अफगानिस्तान, फारस और अरब के मुख्य मुख्य स्थानों का भ्रमण किया। इन यात्राओं को पंजाबी में उदासियाँ कहा जाता है।

दर्शन

नानक सर्वेश्वरवादी थे। मूर्तिपूजा- उन्होंने सनातन मत की मूर्तिपूजा की शैली के विपरीत एक परमात्मा की उपासना का एक अलग मार्ग मानवता को दिया। उन्होंने हिन्दू पन्थ के सुधार के लिए इन्होंने कार्य किये। साथ ही उन्होंने तत्कालीन राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक स्थितियों पर भी दृष्टि डाली है। सन्त साहित्य में नानक उन सन्तों की श्रेणी में हैं जिन्होंने नारी को बड़प्पन दिया है।

हिन्दी साहित्य से सम्बन्ध

हिन्दी साहित्य में गुरुनानक भक्तिकाल के अन्तर्गत आते हैं। वे भक्तिकाल में निर्गुण धारा की ज्ञानाश्रयी शाखा से सम्बन्ध रखते हैं। उनकी कृति के सम्बन्ध में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल हिन्दी साहित्य का इतिहास में लिखते हैं कि- भक्तिभाव से पूर्ण होकर वे जो भजन गाया करते थे उनका संग्रह (संवत् 1661) ग्रन्थ साहब में किया गया है।

मृत्यु

जीवन के अन्तिम दिनों में इनकी ख्याति बहुत बढ़ गई और इनके विचारों में भी परिवर्तन हुआ। स्वयं ये अपने परिवार वर्ग के साथ रहने लगे और मानवता कि सेवा में समय व्यतीत करने लगे। उन्होंने करतारपुर नामक एक नगर बसाया, जो कि अब पाकिस्तान में है और एक बड़ी धर्मशाला उसमें बनवाई। इसी स्थान पर आश्वन कृष्ण 10, संवत् 1597 (22 सितम्बर 1539 ईस्वी) को इनका परलोक वास हुआ।

मृत्यु से पहले उन्होंने अपने शिष्य भाई लहना को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया जो बाद में गुरु अंगददेव के नाम से जाने गए।

कविताएँ

नानक भेदाभेद वादी कवि थे और साथ ही अच्छे सूफी कवि भी। उनके भावुक और कोमल हृदय ने प्रकृति से एकात्म होकर जो अभिव्यक्ति की है, वह निराली है। उनकी भाषा बहता नीर थी जिसमें फारसी, मुल्तानी, पंजाबी, सिंधी, खड़ी बोली, अरबी के शब्द समा गए थे।

रचनाएँ

गुरु ग्रन्थ साहिब में सम्मिलित 974 शब्द (19 रागों में), गुरबाणी में शामिल है- जपजी, सिध गोहस्त, सोहिला, दखनी ओंकार, आसा दी वार, पत्ती, बारह माह।

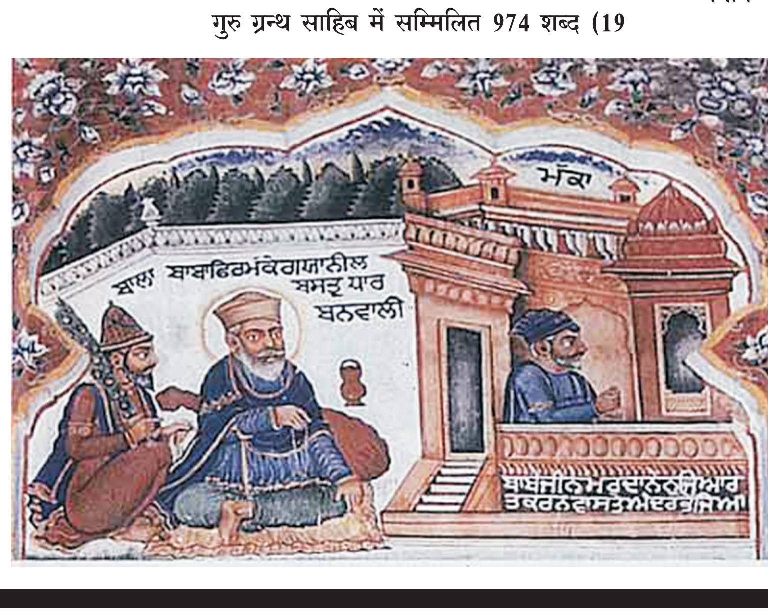

अन्य गुरु

सिख सम्प्रदाय में दस गुरु हुए हैं, जिसमें पहले गुरुनानक हैं तथा अन्तिम गुरु गोबिंद सिंह हुए हैं-

गुरु नानक देव, गुरु अंगद देव, गुरु अमर दास, गुरु राम दास, गुरु अर्जुन देव, गुरु हरगोबिन्द, गुरु हर राय, गुरु हर किशन, गुरु तेग बहादुर, गुरु गोबिंद सिंह

इनके जीवन से जुड़े प्रमुख गुरुद्वारा साहिब

1. गुरुद्वारा कन्ध साहिब- बटाला (गुरुदासपुर) गुरु नानक का यहाँ बीबी सुलक्षणा से 16 वर्ष की आयु में संवत 1544 की 24वीं जेठ को विवाह हुआ था। यहाँ गुरु नानक की विवाह वर्षगाँठ पर प्रतिवर्ष उत्सव का आयोजन होता है।
2. गुरुद्वारा हाट साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) गुरुनानक ने बहनोई जैराम के माध्यम से सुल्तानपुर के नवाब के यहाँ शाही भण्डार के देखरेख की नौकरी प्रारम्भ की। वे यहाँ पर मोदी बना दिए गए। नवाब युवा नानक से काफी प्रभावित थे। यहीं से नानक को तेरा शब्द के माध्यम से अपनी मंजिल का आभास हुआ था।
3. गुरुद्वारा गुरु का बाग- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) यह गुरु नानकदेवजी का घर था, जहाँ उनके दो बेटों बाबा श्रीचन्द और बाबा लक्ष्मीदास का जन्म हुआ था।
4. गुरुद्वारा कोठी साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) नवाब दौलतखान लोधी ने हिसाब-किताब में गड़बड़ी की आशंका में नानकदेवजी को जेल भिजवा दिया। लेकिन जब नवाब को अपनी गलती का पता चला तो उन्होंने नानकदेवजी को छोड़ कर माफी ही नहीं माँगी, बल्कि प्रधानमन्त्री बनाने का प्रस्ताव भी रखा, लेकिन गुरु नानक ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।
5. गुरुद्वारा बेर साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) जब एक बार गुरु नानक अपने सखा मर्दाना के साथ वैन नदी के किनारे बैठे थे तो अचानक उन्होंने नदी में डुबकी लगा दी और तीन दिनों तक लापता हो गए, जहाँ पर कि उन्होंने ईश्वर से साक्षात्कार किया। सभी लोग उन्हें डूबा हुआ समझ रहे थे, लेकिन वे वापस लौटे तो उन्होंने कहा- एक ओंकार सतिनाम। गुरु नानक ने वहाँ एक बेर का बीज बोया, जो आज बहुत बड़ा वृक्ष बन चुका है।
6. गुरुद्वारा अचल साहिब- गुरुदासपुर अपनी यात्राओं के दौरान नानकदेव यहाँ रुके और नाथपन्थी योगियों के प्रमुख योगी भांगर नाथ के साथ उनका धार्मिक वाद-विवाद यहाँ पर हुआ। योगी सभी प्रकार से परास्त होने पर जादुई प्रदर्शन करने लगे। नानकदेवजी ने उन्हें ईश्वर तक प्रेम के माध्यम से ही पहुँचा जा सकता है, ऐसा बताया।
7. गुरुद्वारा डेरा बाबा नानक- गुरुदासपुर जीवनभर धार्मिक यात्राओं के माध्यम से बहुत से लोगों को सिख धर्म का अनुयायी बनाने के बाद नानकदेवजी रावी नदी के तट पर स्थित अपने

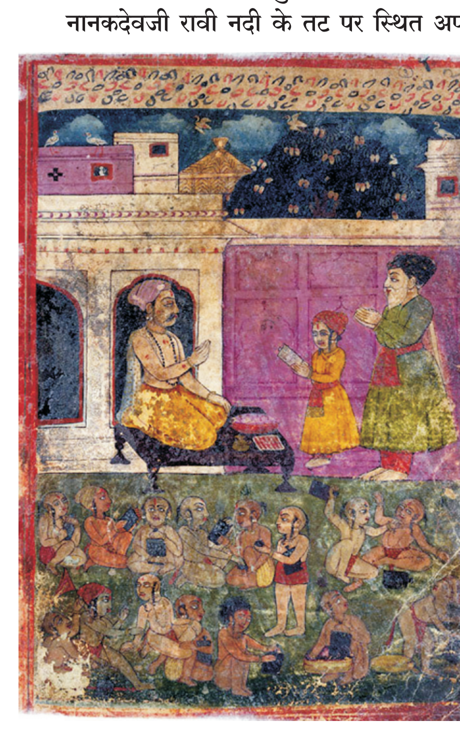

फार्म पर अपना डेरा जमाया और 70 वर्ष की साधना के पश्चात संवत 1539 ई. में परम ज्योति में विलीन हुए।
8. ईसवी संवत 2019, सिक्खों के आदि गुरु, गुरुनानक जी, के जन्म का 550 प्रकाश पर्व या वर्ष है। 9 नवम्बर, 2019 (शनिवार) के दिन प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पंजाब के गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक चेकपोस्ट से गुरुनानक जी के पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त के नारोवाल जनपद में स्थित समाधि-स्थल पर निर्मित गुरुद्वारा करतारपुर साहिब या गुरुद्वारा दरबार साहिब को जोड़ने वाले 4.5 किलोमीटर लम्बे गलियारे के जरिये लगभग 500 तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

साभार : विकिपीडिया

जनता के प्रेम और स्नेह से कार्य करने की शक्ती मिलती है - विधायक विनोद अग्रवाल

मंजूर कामठा में १२ करोड़ की निधी के कामो का भुमिपुजन एंव लोकार्पण संपन्न

बुलंद गोंदिया - गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कामठा में विगत 3 वर्षो में विधायक विनोद अग्रवाल के माध्यम से मंजूर 12 करोड़ की निधी के कामो का भूमिपूजन समारोह कामठा में चिमना बहादुर चौक में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम में अध्यक्ष के रुप से मौजूद पंचायत समिती के सभापती मुनेश रहांगडाले ने पंचायत समिती के मार्फत दी जानेवाली निधी और विकासकार्य के बारे में अवगत करवाया और विधायक विनोद अग्रवाल के कुशल नेतृत्व के बारे में उनकी संकल्पित योजनाओं के बारे में संक्षिप्त में संबोधित किया।

कार्यक्रम में उदघाटक के रुप में विधायक विनोद अग्रवाल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि, समाज के हर वर्ग का विकास होना चाहिए उनकी हर जरुरते पुरी होना चाहिए, गाँव में पीने का पीने योग्य पानी अच्छे सडको का निर्माण, युवाओं के लिए वाचनालय, महिलाओ की समस्या, किसान भाईयो की समस्या ऐसे दृष्टीकोन से पिछले 3 वर्षो से मैंने विधायक बनने के बाद काम किया है और सभी को अवगत भी करवाया है कि क्षेत्र के विधायक के काम किस प्रकार होना चाहिए। साथ ही कामठा के नागरिको को पानी मिल सके इसीलिए कवलेवाडा के डैम से पानी उपलब्ध किया जायेगा और हर गाँव में पानी की समस्या दूर की जायेगी हाल ही में विधायक विनोद अग्रवाल के माध्यम से 228 करोड़ रुपये की विशाल पेयजल योजना मंजूर करवाई गई है जिसका लाभ पुरे क्षेत्र में मिलेगा।

विधायक विनोद अग्रवाल ने कार्यक्रम में कहा की क्षेत्र सुजलाम सुफलाम हो इस दृष्टी से काम करते हुए विधायक बनते ही मैंने 14000 सर्वाधिक घरकुल जो की पिछले 27 साल के कार्यक्रम में नही हो पाए साथ ही किसानो के लिए कृषी गोदाम होना चाहिए इसके लिए नई संकल्पना ली और किसानो को धान बेचने की समस्या भी दूर होनेवाली है किसानो को खेत में जाने के लिए परेशानी होती है इसके लिए 700 से अधिक पांदन रस्ता मंजूर किया 7/12 ऑनलाइन के लिए, साथ ही बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र के किसानो को अधिक नुकसान भरपाई मंजूर करवाके उनके खाते में जमा होने लगी है।

विधायक विनोद अग्रवाल की संकल्पना से कृषी गोदाम, महिला बचत गट भवन, सार्वजनिक चौक सौंदर्यीकरण, बीपीएल के दाखले, 7/12 ऑनलाइन की समस्या, 700 पांदन रस्ते, पीने के पानी की समस्या, स्पर्धा परीक्षार्थीयो के लिए वाचनालय, डांगोरली बैरेज का कार्य, और क्षेत्र के लिए करोड़ रुपये की निधी मंजूर करवाके ग्रामीण में मार्गो को शहर से जोड़ने का कार्य जिससे रोजगार के माध्यम बढ़ सके ऐसे अनेक संकल्पनाओ के साथ ही लगातार विकासकार्य जारी है। परंतु जो भी विकासकार्य मंजूर होता है उसका स्पर्धा की तरह कोई दुसरा व्यक्ती ही श्रेय लेने का कार्य करता है यह आप सभी भलेभांती जानते है। इसके पूर्व एक रोड के काम के लिए आगे पीछे, दाए बाए भूमिपूजन लोकार्पण की प्रथा थी लेकिन हमने कई कामो के भूमिपूजन एक बार भी नही किये लेकिन यह पिछले 27 वर्षो तक चलता आया जिसका नतीजा गोंदिया विधानसभा की जनता ने दिखलाया और जनता के सेवक के रुप में मुझे चुनकर दिया और कामठा के नागरिको का भरपूर प्रेम स्नेह मेरे साथ सदैव रहा है और बड़ी मात्रा में बढ़त मिली थी। इसी प्रकार अपना प्रेम स्नेह बनाए रखे और भी अनेक काम क्षेत्र में नियोजित है। मै जनता के मरते दम तक क्रृण चुका तो नही पाऊंगा लेकिन उनकी सेवा में रहकर अपना जीवन व्यतीत करुँगा, ऐसा विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा और दीपावली के इस पावन पर्व की सभी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कुछ कार्यकर्ताओ ने प्रवेश भी किया।

इस अवसर पर विधायक विनोद अग्रवाल, मुनेश रहांगडाले सभापती प. स.गोंदिया, भाऊराव ऊके अध्यक्ष, जनता की पार्टी, मोहन गौतम किसान आघाडी जिलाध्यक्षा, चैतालीसिंह नागपुरे, महिला अध्यक्ष, चेतन बहेकार महामंत्री, लखन हरिनखेड़े, पांजरा जिप प्रमुख, सुजीत येवले जिला उपाध्यक्ष, पृथ्वीराजसिंग नागपुरे, कामठा जिप प्रमुख, वैशाली पंधरे जिप सदस्य पांजरा, नंदा वाढीवा काटी जिप सदस्य, अनिता सिंहमारे सरपंच कामठा, प्रकाश सेवतकर उपसरपंच, कामठा, सावलराम महारवाडे, मुरलीधर येड़े, सूर्यमणि रामटेके, शालिकराम हरिनखेड़े, संगीता पाटील, रवि अग्रवाल, प्रकाश खोब्रगढे, किशोर दुबे, मिलन पाथोड़े, सतीश जगने, रंजित पाटील, महेश चौरे, प्रीती गजभिये, चंदु खरकाटे, संतोष मुसलमवार सोनु पंधरे फागुलाल नागफासे, राजेश माने इत्यादी कार्यकर्ता तथा जनता उपस्थित थे।

श्री मारवाड़ी युवक मंडल गोंदिया का दीपावली स्नेह मिलन सम्पन्न

मेधावी छात्र-छात्राओं का सत्कार एवं अन्नकूट कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

बुलंद गोंदिया - श्री मारवाड़ी युवक मंडल, गोंदिया द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन, समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं का सत्कार एवं अन्नकूट प्रसाद का कार्यक्रम प्रमुख अतिथि विधायक विनोद अग्रवाल, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल एवं पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन की प्रमुख उपस्थिती में गुरुवार दिनाँक 27 अक्टूबर 2022 को झिरिया मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री मारवाड़ी युवक मंडल के अध्यक्ष महेश गोयल ने की तथा मुख्य अतिथि के रुप में ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष वेदप्रकाश गोयल, राजस्थानी महिला मंडल की अध्यक्ष रश्मि खंडेलवाल, श्री अग्रसेन स्मारक समिति के अध्यक्ष हेमेंद्र पोद्दार, श्री राजस्थानी ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष आनंद पुरोहित, श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल समाज के अध्यक्ष देवेंद्रकुमार अजमेरा, श्री खंडेलवाल युवक मंडल के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, श्री माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष डॉ.नितिन सोमानी, श्री राजस्थानी सेन समाज के अध्यक्ष गोविंद सुलोधिया तथा श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के अध्यक्षमहेश जालू उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान मारवाड़ी समाज के होनहार विद्यार्थियों, जिन्होंने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में विभिन्न पाठ्यक्रमो में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किये तथा समाज के सेवाभावी व्यक्ति जो समाजसेवा के विभिन्न क्षेत्रों मे उल्लेखनीय कार्य कर रहे, उन्हें रजत पदक एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानीय किया गया।

कार्यक्रम का सफल मंच संचालन संस्था के सहसचिव रवि मूंदड़ा ने किया तथा कार्यक्रम की प्रस्तावना संस्था सचिव रितेश अग्रवाल ने रखी। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु श्री मारवाड़ी युवक मंडल कार्यकारिणी के सक्रिय सदस्य आलोक (पिंटू) खंडेलवाल, नरेश जैन, बालमुकुंद माहेश्वरी, रमाकांत अग्रवाल, दिनेश (रोशन) अग्रवाल, राम अग्रवाल, ललित दादरिवाल, अभिजीत सोनी, मनीष अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, दिनेश लाटा, आदेश शर्मा, राजेश शर्मा, संजय शर्मा, पं. आशीष शर्मा, कृष्णकुमार खंडेलवाल, राजेश पनपालिया, विनोद अग्रवाल, आनंद कालोया, राहुल तिवारी, अंकित तिवारी, लाटसाहब सोनी, रितिक अग्रवाल आदि सदस्यो ने अथक प्रयास किये।

आरक्षण का दायरा

अलग-अलग सामाजिक वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था लंबे समय से बहस का मुद्दा रही है। हालांकि इस बीच विभिन्न मानकों के मुताबिक समाज के कई तबकों को आरक्षण के दायरे में लाया गया, मगर भारत में जटिल सामाजिक बनावट के चलते किसी व्यवस्था के मामले में अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचना मुश्किल रहा है।

मसलन, लंबे समय से यह विवाद का विषय रहा है कि हिंदू पहचान से अलग होकर अगर कोई दलित व्यक्ति किसी अन्य धर्म को अपना लेता है तो उसे आरक्षण की सुविधा मिलनी चाहिए या नहीं? दरअसल, इस सवाल का स्रोत वह व्यवस्था है, जिसमें अगर कोई हिंदू दलित अपनी धार्मिक पहचान को त्याग कर बौद्ध या सिख धर्म की दीक्षा ले लेता है तो उसे आरक्षण की सुविधा पूर्ववत मिलती रहती है, लेकिन अगर उसने ईसाइयत या इस्लाम का दामन थामा तो इस दायरे से बाहर हो जाएगा। इसे सामाजिक कारणों से मिलने वाले आरक्षण में विभाजित द्रृष्टि बताते हुए ईसाई और मुसलिम बने दलितों के लिए भी आरक्षण का प्रावधान करने की मांग की गई थी।

इस मसले पर एक याचिका लंबे समय से अदालत में है और सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई से पहले केंद्र सरकार से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा था। मगर केंद्र सरकार के ताजा फैसले से लगता है कि वह जल्दबाजी में नहीं है। शुक्रवार को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश केजी बालकृष्णन की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन कर दिया, जो उन नए समूहों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की जांच करेगा जो ऐतिहासिक रुप से इस वर्ग से संबंधित होने का दावा करते हैं, मगर संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत राष्ट्रपति के आदेशों में उल्लिखित धमो्र के अलावा किसी अन्य धर्म में दीक्षित हो गए हैं।

यों दलित समुदाय के उन लोगों के लिए भी आरक्षण की मांग होती रही है, जिन्होंने किसी वजह से ईसाई और इस्लाम धर्म अपना लिया था। इसकी वजह यह बताई गई कि चूंकि इन दोनों धर्मों में मतांतरित होने के बावजूद दलितों की सामाजिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया और उन्हें वहां भी जातिगत वंचना से आजादी नहीं मिली, इसलिए उन्हें आरक्षण से वंचित रखने के प्रावधान पर पुनर्विचार हो। इसके अलावा, इस संदर्भ में अगर अनुसूचित जनजातियों के लिए यह नियम शिथिल है, तो अनुसूचित जातियों को भी आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए।

जाहिर है, यह एक जटिल मुद्दा रहा है और इस पर विस्तृत अध्ययन के बाद ही यह सुनिश्चित हो सकेगा कि ईसाई और इस्लाम में मतांतरित दलितों को अनुसूचित जाति के लिए निर्धारित आरक्षण का लाभ मिले या नहीं। इस मसले पर एक आपत्ति यह जताई जाती रही है कि अगर मौजूदा ढांचे में ईसाई और इस्लाम अपनाने वाले दलितों को शामिल किया गया, तो पहले से ही इस समूह की कमजोर जातियों के लिए आरक्षण का दायरा और अवसर कम हो जाएंगे।

इसके मद्देनजर एक विकल्प यह दिया जाता रहा है कि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण में उप-वर्ग का प्रावधान करके ईसाई और मुसलिम दलितों के लिए व्यवस्था की जा सकती है। लेकिन यह देखने की बात होगी कि अन्य पिछड़ा वर्ग की तरह अनुसूचित जाति वर्ग में भी क्या ऐसी व्यवस्था संभव होगी। बहरहाल, अब यह इस पर निर्भर लगता है कि लंबे समय से इस उलझे हुए मुद्दे के हल के लिए गठित आयोग क्या सुझाव देता है। स्वाभाविक ही सरकार से यह अपेक्षा होगी कि वह इस पर अपना रुख स्पष्ट करे, ताकि कोई सर्वमान्य समाधान सामने आने का रास्ता साफ हो।

मच्छरों के प्रजनन को रोकें

डेंगू, चिकनगुनिया और बुखार के प्रकोप को खत्म करें

बुलंद गोंदिया - वर्तमान में राज्य के कई हिस्सों में डेंगू, चिकनगुनिया और बुखार के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जिले में भारी बारिश के कारण गांवों में पानी के गड्ढे बन गए हैं। जलाशयों में मच्छर पनपते हैं। इसके चलते नागरिकों को चाहिए कि वह क्षेत्र की साफ-सफाई का ध्यान रखें, शुष्क दिनों का पालन करें और घर के आस-पास पानी जमा होने वाले स्थानों को नष्ट कर दें, ताकि मच्छरों का प्रजनन न हो, ऐसा आहवान प्रभारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश सुतार ने किया।

चूंकि एडीज इजिप्टी मच्छर संग्रहित साफ पानी में पैदा होते हैं, इसलिए स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा कंटेनरों का निरीक्षण किया जा रहा है। डेंगू के बारे में डॉ सुतार द्वारा दी गई जानकारी इस प्रकार है, डेंगू एक वायरस के कारण होने वाली बीमारी है। इस वायरस के चार उपप्रकार हैं। यह रोग एडीज एजिप्टी और एडीज एलेबोपिक्टस मच्छरों के काटने से फैलता है। एक संक्रामक मच्छर के काटने के पांच से छह दिन बाद मनुष्य बीमार हो जाता है। डेंगू आमतौर पर एक आत्म-सीमित बीमारी है। ज्यादातर मरीज ठीक हो जाते हैं। डेंगू बुखार, डेंगू रक्तस्राावी बुखार, डेंगू शॉक सिंड्रोम तीन तरह से हो सकता है। डेंगू रक्तस्राावी बुखार बीमारी का अधिक गंभीर रुप है और इससे मृत्यु हो सकती है।

डेंगू बुखार

बच्चों को आमतौर पर हल्का बुखार होता है। वृद्ध लोगों को अधिक तीव्र बुखार होता है। सिरदर्द के साथ-साथ आंखों में दर्द, बदन दर्द, कमजोरी, स्वाद और भूख में कमी, जी मिचलाना, उल्टी, शरीर पर लाल धब्बे हो सकते हैं। इसे हड्डी तोड़ने वाला बुखार भी कहा जाता है क्योंकि शरीर में तेज दर्द हो सकता है।

डेंगू रक्तस्राावी बुखार

यह एक गंभीर प्रकार है और यह बुखार, मसूड़ों से रक्तस्राव, आंतरिक रक्तस्राव, आंतों से रक्तस्राव, कम प्लेटलेट काउंट, रक्त के साथ या बिना बार-बार उल्टी, सांस लेने में कठिनाई आदि के साथ बाहरी रक्तस्राव के निशान पैदा कर सकता है। साथ ही छाती और पेट में पानी जमा हो सकता है। अन्य लक्षण डेंगू बुखार के समान हैं।

डेंगू शॉक सिंड्रोम

यह डेंगू रक्तस्राावी बुखार का अगला चरण है और कुछ प्रतिशत लोगों में ही देखा जाता है। यह रोगी को बेचैन, ठंडा, धीमी या तेज नाड़ी, रक्तचाप में गिरावट और अंतत: मृत्यु का कारण बन सकता है।

इलाज

चूंकि डेंगू एक वायरल बीमारी है, इसलिए कोई विशिष्ट दवा नहीं है, लेकिन लक्षणों और संकेतों के आधार पर दवाएं दी जाती हैं। एनाल्जेसिक पेरासिटामोल बुखार और शरीर के दर्द को कम करने में कारगर है। एस्पिरिन, ब्रुफेन, स्टेरॉयड, एंटीबायोटिक्स का प्रयोग न करें। यदि रोगी के शरीर में पानी और रक्त की मात्रा कम हो जाती है, तो नसों को निकालना या प्लेटलेट्स देना आवश्यक है। दूसरे और तीसरे प्रकार के रोगियों को विशेषज्ञ चिकित्सक के मार्गदर्शन में तत्काल उपचार की आवश्यकता होती है।

मच्छर रोगों से रहें दूर

- सप्ताह में एक दिन सभी को शुष्क दिवस मनाना चाहिए।
- घर के सामने पानी जमा न होने दें, घर और आसपास साफ-सफाई रखें।
- पानी की टंकियों और बैरल को साफ रखें, टंकियों को खुला न छोड़ें।
- शाम को दरवाजे और खिड़कियां बंद कर देनी चाहिएय खिड़कियों की जांच होनी चाहिए।
- पानी जमा न होने देंय जगह को साफ सुथरा रखें।
- फ्रिज व कूलर का पानी बार-बार बदलना चाहिए।

डेंगू की पहचान कैसे करें

- सर्दी, बुखार और बार-बार खांसी होना।
- शरीर पर छोटे-छोटे दाने निकल आते हैं।
- खाने के बाद या बिना भोजन किए भी उल्टी और जी मिचलाना।
- ब्लड प्लेटलेट्स कम हो जाते हैं और एनीमिया का अहसास होता है।
- घर के सामने पेड़ लगाने के बाद नागरिकों को उन गमलों में पानी जमा नहीं होने देना चाहिए। अधिकांश मच्छरों के लार्वा एक ही स्थान पर पाए जाते हैं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपाय किए जा रहे हैं, लेकिन नागरिक एहतियात के तौर पर अपने घरों और आसपास को साफ रखें। डॉ.सुतार ने पानी खुला न रखने की अपील की है। डेंगू की रोकथाम केवल स्वास्थ्य विभाग का ही काम नहीं है बल्कि शिक्षा, निर्माण, ग्राम पंचायत, महिला एवं बाल कल्याण, जलापूर्ति और स्वच्छता, नगर परिषदध्पंचायत, विभिन्न पदाधिकारियों, राजनीतिक पदाधिकारियों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक जैसे अन्य विभागों का भी काम है। कार्यकर्ता डेंगू को जरुर नियंत्रित करेंगे जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, आरोग्य सेवक, आरोग्य सेवक, आशा सेवक अपने कार्य क्षेत्र के गांवों में स्वयं व लोगों द्वारा बचाव के उपाय कर रहे हैं. जिले में श्री प्रशांत खरात जिला आईईसी। अधिकारियों के मार्गदर्शन में हर स्वास्थ्य संस्थान में डेंगू रोकथाम बैनर वितरित किए गए हैं और व्यापक रुप से जन जागरुकता की जा रही है।

आमगांव के बस स्टैंड पर आटो व काली-पिलीवालों का कब्जा

बुलंद संवाददाता आमगांव - आमगांव नगर व्यापार के दृष्टि से बहुत महत्व रखता है। इस कारण नगर में आने-जानेवालें लोगों की भींड़ बस स्टैंड पर अधिक होती है। इसका लाभ उठाते हुए काली-पिली एवं आटो चालकों को अपने सवारी गाड़ी में बिठाने की होड़ में अपनी सवारी गाड़ियों को अपने मनमर्जी से कहीं भी खड़ी कर देते हैं। अगर किसी ने कुछ कहा तो हाथापाई पर उतर आते, ये लोग इतने मगरा गये हैं कि बस को भी अपने स्टाप पर खड़ी नहीं होने देते। इस कारण बस को इधर-उधर खड़ी करना पड़ता हैं। इससे बाकी गाड़ियो को आवागमण ंमे बाधा उत्पन्न होती हैं। इससे दुर्घटनाओं के प्रमाण में काफी वृद्धि हुई हैं। किन्तु यातायात पुलिस आंखों पर पट्टी बांधे यह सब तमासा देख रही है। इनके मूक सर्पोट के पिछे लोगो का कहना है कि जिला यातायात पुलिस बिक गयी है। इसीलिए परमिट से अधिक सवारी भरनेवाले काली-पीली एवं आटो रिक्षा सवारी वाहनों पर कोई कार्यवाही नहीं होती। जिला यातायात पुलिस को लोगों के जानमाल से कोई सरोकार नहीं है। बताया गया है कि स्थानीय पुलिस थाने मे केवल 2 पुलिसकर्मियों के हाथों में यातायात की जिम्मेदारी दी गई है। 2 पुलिस कर्मी यातायात कंट्रोल कैसे करेंगे? यह पुलिस विभाग के लिए चिंतनीय बात है। अब नये पोलिस अधीक्षक निखिल पिगड़े से जनता को बहुत अपेक्षा है कि वे सब हालात जल्दी सुधारने मे विषेश ध्यान देंगे।

श्री कृष्ण गौरक्षण सभा व पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के विशेष अनुरोध पर मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने

बीस लाख के अनुदान के साथ दी चिकित्सक संहित पशु एम्बुलेंस की सौगात

बुलंद गोंदिया - राज्य के राजस्व, पशु संवर्धन व दुग्ध व्यवसाय विकास मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल की प्रमुख उपस्थिति में श्री कृष्ण गौरक्षण सभा द्वारा गोपाष्टमी उत्सव 2022 का आयोजन श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा द्वारा संचालित पिंडेपार स्थित गौपुरी गौशाला में किया गया। जिसमें उद्घाटक के रुप में राधाकृष्ण विखे पाटिल, मुख्य अतिथि स्वरुप गोंदिया भंडारा के सांसद सुनिल मेंढे, विधायक विनोद अग्रवाल, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचार प्रशांत हड़तालकर, केशवराव मानकर एवं तिरखेड़ी आश्रम सालेकसा के संत स्वामी रामज्ञानीदास महाराज विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने की।

समारोह में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन कर समारोह का उद्घाटन अतिथियों द्वारा किया गया। इसके उपरांत मोरबी में हुए दर्दनाक हादसे में मृत लोगों को मौन श्रद्धांजली दी गई। स्वागत भाषण श्री कृष्ण गौरक्षण सभा के कार्यकारिणी सदस्य राम अग्रवाल द्वारा दिया गया तथा सचिव उद्बोधन शिव शर्मा (लायब्रेरियन) द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन अपूर्व अग्रवाल ने की।

प्रशांत हड़तालकर एवं तिरखेड़ी आश्रम सालेकसा के संत रामज्ञानीदास जी महाराज ने अपने संबोधन से गौरक्षा एवं हर घर में गौपालन का आहवान करते हुए गौरक्षा की प्रेरणा प्रदान की। सभी प्रमुख अतिथियों के हस्ते गौप्रेमी बंधुओं एवं संस्थाओं का सत्कार किया गया। जिसमें प्रमुख रुप से वरिष्ठ समाजसेवी जुगलकिशोर अग्रवाल, अशोक चंपालाल अग्रवाल, पवन देवेन्द्र अग्रवाल, हुकुमचंद अग्रवाल (शुभलक्ष्मी), अशोकसिंह बैस, शंकरलाल अग्रवाल (कुकसवाले) तथा सेवाभावी संस्थाओं में श्री राम सेवा परिवार, श्री गौ सेवा मित्र मंडल, लॉयन्स क्लब गोंदिया रॉयल गौ सेवा समिति, गिरिराज गौ सेवा समिति, बोल बम सेवा समिति के पदाधिकारियों को अतिथियों के हस्ते स्मृति चिन्ह प्रदान कर सत्कार किया गया।

इस अवसर पर राधाकृष्ण विखे पाटिल द्वारा संस्था को गौ संवर्धन योजना की चौथी किश्त का 19 लाख 95 हजार रुपये का चैक प्रदान किया गया। अतिथियों के हस्ते गोपाष्टमी पर्व पर प्रकाशित की जाने वाली स्मरणिका का विमोचन किया गया। सभी गौ प्रेमीयों के लिये अन्न कूट महाप्रसाद की व्यवस्था संस्था की ओर से की गई थी, जिसका गौ प्रेमीयों ने आनंद लिया। इससे पूर्व प्रात: 10 बजे चांदनी चौक से एक भव्य प्रभातफेरी के माध्यम से संपूर्ण नगर का भ्रमण किया गयां। जिसमें मुख्य आकर्षण के रुप में छत्तीसगढ़ी नाचा डांस आकर्षक का केन्द्र बना रहा। समारोह में मंच पर प्रमुख रुप से संस्था अध्यक्ष दामोदर अग्रवाल, ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष अजय अग्रवाल, सचिव राकेश वर्मा, महिला समिति की अध्यक्ष शीतल मुरारका, संस्था के कोषाध्यक्ष आनंद अग्रवाल, कार्यकारिणी के सचिव शिव शर्मा, महिला समिति की सचिव बरखा छितरका, कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, नागेन्द्रनाथ चौबे, गौपुरी प्रमुख बालमुकुंद माहेश्वरी, आकेश अग्रवाल, उत्सव प्रमुख राजेश खंडेलवाल मंचासीन थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सभी कार्यकारिणी सदस्य एवं गौ प्रेमी पुरुष, महिला व बच्चे भी उपस्थित थे।

पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की मांग पर मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने चिकित्सक संहित पशु एम्बुलेंस की दी सौगात

मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने कहा कि गोंदिया के श्री कृष्ण गौरक्षण सभा के द्वारा आयोजित गोपाष्टमी उत्सव में उद्घाटक के रुप में और प्रदेश के पशु पालक मंत्री होने के नाते आकर और इस भव्य गौशाला और बेहतर व्यवस्थाओं को देखकर अपार हर्ष हो रहा है। इस विभाग का मंत्री होने के नाते गोंदिया के पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की मांग पर और संस्था के निवेदन पर श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा को गौ वंशों की देखभाल के लिये एक चिकित्सक संहित एक एम्बुलेंस अपने विभाग की ओर से देने की घोषणा करता हूं। साथ ही मंत्री विखे पाटिल ने आगे कहा कि राज्य में समस्त गौशाला की व्यवस्थाओं को बेहतर करने के लिये एक कमेटी का गठन शीघ्र किया जायेगा, जिसमें गोंदिया की गौरक्षण सभा के अध्यक्ष भी सदस्य स्वरुप सहभाग कर सकेंगे, जिससे गौशालाओं की वास्तविक परेशानियों को दूर कर गौधन की रक्षा की जा सकेगी।

सांसद निधि से सांसद सुनिल मेंढे ने दिया 25 लाख का अनुदान..

प्रमुख अतिथि के रुप में उपस्थित सांसद सुनिल मेंढे ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा द्वारा संचालित गौशाला के कुशल संचालन एवं व्यवस्थाओं की प्रशंसा की तो वहीं इस गौशाला के और प्रगति तथा गौवंशों की संख्या बढ़ाने के लिये सांसद निधि से 25 लाख रुपये अनुदान देने की घोषणा भी की, तथा आगे भी हमेशा संस्था को सहयोग करने की बात कही।

विधायक विनोद अग्रवाल ने दी 35 लाख अनुदान की दी

गोपाष्टमी पर प्रमुख अतिथि के रुप में विधायक विनोद अग्रवाल ने गोंदिया के श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा के इतिहास और पूर्व में समाज के वरिष्ठजनों द्वारा की गई सेवाओं की प्रशंसा के साथ ही श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा को गोंदिया का गौरव बताया, वहीं उन्होंने कहा कि हमारी विचारधारा हमारी संस्कृति में गाय हमारी माता है, और मां की तरह गौ माता का सेवा करना जीवन को कृतार्थ करना माना जाता है। विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि विधायक के रुप में केवल तीन साल का कार्यकाल उनका हुआ है, और इस तीन साल में उन्होंने श्रीकृष्ण गौरक्षण के कार्यों को देखते हुए गौ सेवा के लिये विधायक निधि से 35 लाख रुपये का अनुदान दिया है, और आगे भी गौ सेवा के लिये जहां जरुरत होगी, श्रीकृष्ण गौरक्षण की सेवाओं में मेरा भरपूर योगदान कायम रहेगा।

बोले पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल...

प्रमुख अतिथि के रुप में उपस्थित पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने सर्वप्रथम उनके अनुरोध पर गोपाष्टमी अवसर पर गोंदिया पधारे राज्य के पशु संवर्धन एवं राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल का विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि पिछले अनेक वर्षों से वे निरंतर श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा को आगे बढ़ाने के लिये विशेष प्रयासरत रहे, जिसके परिणाम स्वरुम राज्य शासन की गौ संवर्धन योजना अंतर्गत एक करोड़ रुपये की निधि दिलाने में वे सफल रहे, उस निधि के बकाया 25 लाख रुपये में से लगभग 20 लाख रुपये आज संस्था को सम्मानीय राधाकृष्ण विखे पाटिल जी के हस्ते प्राप्त हो गए हैं, शेष पांच लाख रुपये भी प्राप्त हो जाएंगे। उन्होंने मंत्री श्री विखे पाटिल से अपने संबोधन में श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा के गौवंशों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये एम्बुलेंस की मांग की, वहीं आगे भी गौरक्षण सभा को भरपूर सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

सांसद प्रफुल पटेल की निधि से 25 लाख अनुदान की पूर्व विधायक जैन ने की घोषणा..

गोपाष्टमी के अवसर पर प्रमुख अतिथि के रुप में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने कहा की, गोपाष्टमी पर गोवर्धन, गाय और बछड़े तथा गोपाल की पुजन की परंपरा सदियों से चली आ रही है, सच्चे मन से गौमाता की सेवा करने से सभी मनोकामनाएँ पूरी हो जाती है। गौमाता को धेनु भी कहा गया है अर्थात धन की वर्षा करने वाल इस गोपाष्टमी के अवसर पर गोंदिया की गौशाला के इस कार्यक्रम के माध्यम से इतना ही निवेदन है की, सारे मतभेदों से उपर उठकर प्रत्येक राजनैतिक, सामाजिक व गौ सेवको ने प्रण करना चाहिए। श्री जैन ने अपने उद्बोधन के साथ ही कहा कि यहां पर सांसद, विधायक, मंत्रीगण सभी मौजूद हैं, और सांसद प्रफुल पटेल जी के वरदहस्त से मुझे भी यह अधिकार है कि मैं पवित्र कार्यों के लिये कुछ फैसले ले सकूं, इसी के तहत श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा के गौसंरक्षण के लिये मैं सांसद प्रफुल पटेल जी की निधि से 25 लाख रुपये अनुदान की घोषणा करता वहीं श्री जैन ने अदानी पावर प्रकल्प के केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम (सीएसआर) के माध्यम से भी कुछ अच्छा सहयोग प्रदान करने कराने का प्रयत्न करने का आश्वासन दिया।

मंत्री पाटील की समीक्षा सभा में विधायक अग्रवाल ने रखे अनेक मुद्दे

सभी मुद्दों पर राधाकृष्ण विखे पाटील ने दिया सकारात्मक प्रतिसाद

बुलंद गोंदिया - महाराष्ट्र राज्य के राजस्व मंत्री तथा पशुसंवर्धन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील के दो दिवसीय दौरे के निमित्त जिलाधिकारी कार्यालय में सरकारी कामकाजो के कार्यो की समीक्षा सभा आयोजित की गई थी। जिसमे गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद अग्रवाल ने राधाकृष्ण विखे पाटील के समीक्षा सभा में अनेक मुद्दे रखे। जिसमे जनसमस्याओ को प्राथमिकता देते हुए रजिस्ट्री विषय के संबध में बरती जानेवाली लापरवाही को लेकर तथा रिश्वतखोरी, कालाबाजारी कर रहे और जनता से पैसे लेकर कार्य कर रहे अधिकारीयो पर कार्यवाही की जाए, इस मांग पर मंत्री महोदय ने तत्काल उन अधिकारियो का चार्ज हटा लिया और दुसरे अधिकारियो को नियुक्त किये जाने के निर्देश दिए।

गोंदिया जिले में शासकीय यंत्रणा के रिक्त पदों के साथ ही पटवारी के भी रिक्त पदों के लिए विधायक विनोद अग्रवाल ने मांग रखी। इसी के साथ सिटी सर्वे को लेकर जल्द ही सिटी सर्वे का काम पुरा किया जाए ताकि गोंदिया शहरवासियों को भूमाफियो से और कालाबाजारीयो से छुटकारा मिल सके और गावठान के हद में भूधारको को पट्टो का वितरण और गोंदिया में कुछ अन्य ऐसे पटवारी है, जिनकी अनेक वर्षो से बदली नही हुई है, इस संदर्भ में भी विधायक विनोद अग्रवाल ने ऐसे अनेक मुद्दे रखे जिस पर राधाकृष्ण विखे पाटील ने सकारात्मक प्रतिसाद दिया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य के राजस्व मंत्री तथा पशुसंवर्धन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील, सांसद सुनील मेंढे, जिलाधिकारी नयना गुंडे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटील, केशव मानकर, हेमंत पटले, अतिरिक्त जिलाधिकारी राजेश खवले, उपविभागीय अधिकारी, पाटील मैडम, विधायक विनोद अग्रवाल, पंकज रहांगडाले अध्यक्ष जिप, जिला भुमी अभिलेख अधिकारी सांगोडे मैडम, उपजिलाधिकारी लीना फलके, सुभाष चौधरी उपजिलाधिकारी, विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, पूर्व विधायक रमेशभाऊ कुथे, पूर्व विधायक भैरसिंह नागपुरे, पूर्व विधायक संजय पुराम, सभापती रुपेश कुथे, अप्पर तहसीलदार खडतकर मुख्याधिकारी नगर परिषद करण चौहान, डॉ.लक्ष्मण भगत जिप सदस्य व इत्यादी कार्यकर्ता तथा शासकीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

शहर के अनाधिकृत लेआऊट की जांच के लिए समिति की करें स्थापना

मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील विभिन्न विषयों के ली समीक्षा सभा

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर में अनाधिकृत लेआऊट की जांच के लिए अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन कर अधीक्षक भूमि अभिलेख, मुख्य अधिकारी गोंदिया, नगर रचनाकार का समिति में समावेश कर एक माह के अंदर जांच अहवाल पेश करने का निर्देश राज्य के राजस्व व पशुसंवर्धन दुग्ध व्यवसाय विकास मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील द्वारा दिया गया। तथा जिलाधिकारी उपरोक्त समिति के कार्यों पर नियंत्रण रखेंगे साथ ही 5 वर्षों तक एक ही स्थान पर कार्य करने वाले सभी पटवारियों की सूची तैयार कर उनका तबादला किया जाए। गोंदिया शहर का ड्रोन द्वारा नगर भूमापन तत्काल पूर्ण किया जाए ऐसा निर्देश जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित विभिन्न विषयों की समीक्षा सभा में दिए।

इसके साथ ही गोंदिया ग्रामीण क्षेत्र के प्रलंबित पट्टे वितरण का नियोजन 3 माह में पूर्ण किया जाए वर्ष 2000 के पूर्व औद्योगिक अकृषक करने के संदर्भ में होने वाली परेशानियों को हल करने का प्रयास करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही गोंदिया शहर सिंधी कॉलोनी का पट्टा वितरण बाबत पर चर्चा की गई वर्ष 2018 के शासन निर्णय के आधार पर प्रस्ताव शासन को भेजने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी नैना गुंडे द्वारा जानकारी दी गई कि विमानतल भूमि का अधिग्रहण ड्रोन द्वारा शहर का सर्वेक्षण ग्राम गोंदिया ग्रामीण झुडपी जंगल पट्टे की जानकारी तथा गोंदिया जिले में वर्ष 2000 के पूर्व औद्योगिक अकर्षक करने संदर्भ में आने वाली परेशानी सिंधी कॉलोनी के पट्टे वितरण व पशुवैद्यकीय विभाग की समीक्षा अनाधिकृत गौण खनिज उत्खनन के विषय पर जानकारी दी।

इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष पंकज राहंगडाले, सांसद सुनील मेंडे, विधायक विनोद अग्रवाल, मनोहर चंद्रिकापुरे, जिलाधिकारी नयना गुंडे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल पाटिल, अपर जिलाधिकारी राजेश खवले, पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, रमेश कुथे, संजय पुराम सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

आमगांव मे धान खरेदी केंद्र का उद्घाटन

बुलंद संवाददाता आमगांव - स्थानीय सहकारी शेतकी धान गिरनी मर्या. द्वारा संचालित शासकीय समर्थन की धान खरेदी केंद्र सुपलीपार, वड़द एवं तिगांव का उदघाटन कृषि उत्पन्न बाजार समिति के संचालक बंसीधर अग्रवाल की अध्यक्षता मे विधायक सहसराम कोरोटे के हस्ते किया गया। गिरणी के अध्यक्ष प्रविणकुमार गहरवार, उपाध्यक्ष लोकेश अग्रवाल, पुर्व उपाध्यक्ष इसुलाल भालेकर आदि संचालकों ने अतिथियों का स्वागत किया। मंच पर शंभुदयाल अग्रीका, कृषि उत्पन्न बाजार समिति के संचालक गोकूल फाफट, टिकाराम मेंढे आदि विराजमान थे। उद्घाटन कार्यक्रम मे पुर्व अध्यक्ष पुर्षोत्तम असाटी, संचालक मृदुल मिश्रा, किर्ति बोडणे, धनराज गिऱ्हेपुजे, राजेन्द्र चुटे, कातुर्ली के सरपंच बिसेन, मुंडीपार के सरपंच कुरंजेकर, अजय खेतान, मोनु शर्मा, रामा बहेकार, कृषि उपज मंडी के सचिव गजानन चुटे, अजय गहरवार, आसोली के सरपंच सुनिल खोब्रागडे आदि व बड़ी मे किसान उपस्तिथ थे। प्रास्तविक, संचालन व्यवस्थापक सिताराम फुंडे, आभार लोकेश अग्रवाल ने माना।

साहित्य मंडल का दीपोत्सव कवितामयी हुआ वातावरण

बुलंद गोंदिया - भिन्न भाषी साहित्य मंडल ने अपनी परम्परा का निर्वाह करते हुए दीपावली पर दीपोत्सव दीप मिलन समारोह संस्था के वरिष्ठ सदस्य कवि प्रकाश मिश्रा के गणेश नगर स्थित निवास पर आयोजित किया। अध्यक्षता श्री राजस्थानी ब्राह्मण सभा ट्रस्ट बोर्ड के उपाध्यक्ष पं.बजरंगलाल शर्मा ने की। बतौर संचालक वरिष्ठ कवि रमेश शर्मा मंच पर उपस्थित थे। माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजन के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ हुआं।

आरंभ में हिन्दी की राष्ट्रभाषा के रुप में क्रियाशीलता हेतु शासकीय प्रयास विषय पर विमर्श हुआ। पश्चात कवि गोष्ठी में आमंत्रित कवि यादोराव चौधरी, चिरंजीव बिसेन, निखिलेशसिंह यादव, असीम आमगांवी, मनोज बोरकर मुसव्विर, छगन पंचे छगन, शशि तिवारी, प्रकाश मिश्रा एवं रमेश शर्मा की कविताओं का भरपूर आनंद रसिक श्रोताओं ने लिया। इस प्रसंग पर संस्था की गतिविधियों में विशेष योगदान के लिए सचिव मनोज लक्ष्मीनारायण जोशी, सहसचिव जितेन्द्र हरिचरण तिवारी एवं सदस्य पं. कन्हैयालाल रामनाथ तिवारी का अध्यक्ष एवं अतिथियों के हाथों शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह से सम्मान किया गया। आरंभिक कार्यवाही का संचालन शशि तिवारी ने, कार्यक्रम का सुचारु संचालन रमेश शर्मा ने किया तथा आभार निखिलेशसिंह यादव ने माना। पं. विनोद अग्निहोत्री, ओमप्रकाश चुलेट, सजन पुरोहित, कृतुराज मिश्रा सहित अन्य साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

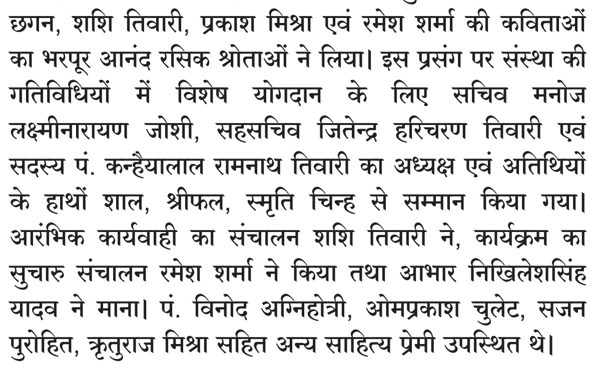

दुय्यम शायरी के मुकाबले का उद्घाटन

बुलंद गोंदिया - दीपावली पर्व के पश्चात जिले में मंडई मेला का सिलसिला शुरु हो जाता है। जिसमें नाटक, डंडार व कव्वाली के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी के अंतर्गत ग्राम दवनीवाडा में आयोजित दुय्यम शायरी मुकाबले का उद्घाटन गोंदिया जिला मजदूर संघ के अध्यक्ष सचिन बंटी मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर अमित झा, संतोष भेलावे, नरहर प्रसाद मस्करे, सुनील तिवारी, प्रमुख अतिथि के रुप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुखदेव सहारे ने किया आभार प्रदर्शन गुड्डू लिल्हारे द्वारा माना गया। आयोजन समिति के संजय चौधरी, राजेश चौरसिया, राजेश ऊरकुडे ने अथक प्रयास कर कार्यक्रम को सफल बनाया तथा आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्राम के गणमान्य नागरिक न उपस्थित थे।

गौमाता की सेवा करने से कभी नही आते संकट - पूर्व विधायक जैन

बुलंद गोंदिया - श्री कृष्ण गोरक्षण सभा गोंदिया की ओर से श्री गोपाष्टमी उत्सव 2022 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथी के रुप मे पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने संबोधन मे कहा कि गोपाष्टमी पर गोवर्धन, गाय और बछड़े तथा गोपाल की पुजन की परंपरा सदियों से चली आ रही है। सच्चे मन से गौमाता की सेवा करने से सभी मनोकामनाएँ पूरी हो जाती है। गौमाता को धेनु भी कहा गया है अर्थात धन की वर्षा करनेवाली। इस गोपाष्टमी के अवसर पर गोंदिया की गौशाला के इस कार्यक्रम के माध्यम से इतना ही निवेदन है कि, सारे मतभेदों से ऊपर उठकर प्रत्येक राजनैतिक, सामाजिक व गौसेवको ने प्रण करना चाहिए कि हम नि:स्वार्थ भाव से गौमाता की सेवा करते हुए इस श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा (पांजरापोल) की उन्नती प्रगती व गौसेवा का सर्वोत्कृष्ट कार्य करेंगे। नई कार्यकारणी उत्साह के साथ काम करें यह शुभकामनाएँ व गौशाला की प्रगती हेतु सांसद प्रफुल पटेल के स्थानिक विकास निधी से गौशाला की प्रगती के लिये 25 लाख रुपये देने का आश्वासन पूर्व विधायक ने दिया एवं अदानी पावर प्रकल्प से हम केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम (सीएसआर) में कुछ कार्य कराने का प्रयत्न करेंगे। राज्य के वरिष्ठ मंत्री व कर्तव्यदक्ष नेता मा.ना.राधाकृष्ण विखे पाटील से अनुरोध है कि वे राज्य शासन के माध्यम से स्थायी (परमानेंट) सहयोग गौसेवा के लिए प्राप्त हो। हम मंच पर बैठे सभी आमंत्रित गण गौशाला व गौमाता की सेवा हेतु हर संभव प्रयत्न करेंगे।

इस अवसर पर ना.राधाकृष्ण विखे पाटील, राजेंद्र जैन, सुनील मेंढे, गोपालदास अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, अजय अग्रवाल, दामोदर अग्रवाल, शिवकुमार शर्मा, देवेंद्रनाथ चौबे, अखिलेश सेठ, राकेश वर्मा, आनंद अग्रवाल, शितल मुरारका, बरखा छितरका, भैयो चौबे, शैलेश वासनिक व कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी व सदस्य व विश्वस्त मंडल उपस्थित थे।

त्यौहार देते है आपसी भाईचारे संदेश - जैन

बुलंद गोंदिया - श्री मारवाडी युवक मंडल, गोंदिया द्वारा दीपावली स्नेह मिलन, मेधावी छात्रो का सत्कार व अन्नकुट प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन, विधायक विनोद अग्रवाल, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हस्ते संपन्न हुआ। इस समारोह मे मेधावी छात्रो का स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सत्कार किया गया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे त्यौहार, हमें आपसी भाईचारा, प्रेम, सौहार्द, एकता और हमारी रीति-रिवाजों के बारे में जानकारी देते हैं। इसलिए त्यौहारों को हमें सभी आपसी भेदभावों को मिटाकर और एकजुट होकर मनाना चाहिए। त्यौहार व रीति-रिवाज हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं और ये हमें एकता का संदेश देते हैं।

इस कार्यक्रम मे प्रमुखता से पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन, विधायक विनोद अग्रवाल, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, श्री मारवाड़ी युवक मंडल के अध्यक्ष महेश गोयल, रश्मी खंडेलवाल, वेदप्रकाश गोयल, हेमेंद्र पोद्दार, आनंद पुरोहित, मनोज जोशी, हेमंत खंडेलवाल, देवेंद्र अजमेरा, डॉ.नितीन सोमाणी, महेश जालु, गोवर्धन सातो समाज के अध्यक्ष व संस्था के सचिव रितेश अग्रवाल, सहित बहुसंख्या मे समाज बांधव उपस्थित थे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।